कथक केन्द्र, नई दिल्ली

नृत्य का राष्ट्रीय संस्थान
(संगीत नाटक अकादेमी की घटक इकाई)

कथक केन्द्र के डिप्लोमा (ऑनर्स) में प्रवेश के लिये प्रवेश–पूर्व–परीक्षा का पाठ्यक्रम

कथक केन्द्र के डिप्लोमा (ऑनर्स) के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें कम–से–कम निम्नलिखित पाठ्यक्रम का ज्ञान हो। विद्यार्थियों की निम्नलिखित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रायोगिक परीक्षा ली जायेगी। तत्पश्चात् प्रायोगिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी का साक्षात्कार लिया जायेगा, और अन्त में सफल विद्यार्थी को डिप्लोमा (ऑनर्स) के प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया जायेगा।

गणेश वन्दना तथा कोई एक अन्य वन्दना

तीनताल में निम्नलिखित –

- विस्तृत थाट का अभ्यास
- आमद तथा परण आमद
- तोड़े, टुकड़े, परण, प्रिमलू/परमेलु (सादे तथा चक्करदार)
- तिहाई तथा उसके विभिन्न प्रकार (सादी तथा चक्करदार)
- गत निकास (साधारण/छूट की गत, बाँसुरी, मुकुट, मटकी, घूंघट)
- कवित्त
- गतभाव (पनिहारी, होरी, माखन चोरी)
- तत्कार – पल्टे/बोल बाँट
- धमार/झपताल/चौताल में से कम–से–कम किसी एक में नृत्य की क्षमता
- दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, चौताल, धमार, तीनताल के ठेके – ठाह, दुगुन तिगुन, चौगुन में ताली–खाली सहित
- असंयुक्त हस्त, संयुक्त हस्त, ग्रीवा भेद, दृष्टि भेद का श्लोक सहित प्रदर्शन
- प्रायोगिक में की गई **चीज़ों** का पारिभाषिक ज्ञान (सैद्धान्तिक ज्ञान)